



استشر رمضان بسنته

रमज़ान की सुन्नतों का ध्यान रख कर

रमज़ान से पूर्णतः लाभ उठाएं

हिंदी باللغة الهندية

الشيخ الدكتور هيثم بن محمد جميل سرحان

हिंदी अनुवाद: साबिर हुसैन पुत्र मुहम्मद मुजीबुर रहमान

यदि आप रोज़ा का पूर्ण फल प्राप्त करना चाहते हैं। और उसकी आत्मा का अनुभव करना चाहते हैं तो रोज़ा अर्थात् उपवास की सुन्नतों का पालन सुनिश्चित करें। जिनमें से कुछ ये हैं:

- ❖ रात के अंत में सेहरी करना यद्यपि पानी पीने के द्वारा ही क्यों न हो।

नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फ़रमाया: “सेहरी खाना बरकत है, यद्यपि तुम में से कोई पानी के कुछ घोंट ही पी ले, क्योंकि महान व सर्वशक्तिमान अल्लाह एवं उस के फ़रिश्ते सेहरी खाने वालों पर रहमत अर्थात् आशीर्वाद भेजते हैं”।

- ❖ अज़ान होते ही रूतब अर्थात् ताज़ा खजूरों से इफ़्तार करने में जल्दी करना, यदि रूतब खजूरें न हों तो आम खजूरों से तथा यदि ये भी उपलब्ध न हों तो पानी के कुछ घोंट पी लेना, जैसाकि हदीस में वर्णित है।
- ❖ इफ़्तार के समय नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से प्रमाणित इस दुआ को पढ़ना: ज़हबज़्ज़,म-ऊ वब्बतल्लतिल उरुकु व सबतल अज़्रु इन शा अल्लाहा।
- ❖ रोज़ा रखने वालों को इफ़्तार कराना: क्योंकि हदीस में है कि जिसने किसी को इफ़्तार करवाया उस के लिए उसी के समान पुण्य है, परंतु ध्यान रहे कि रोज़ेदार के पुण्य में कुछ भी कमी नहीं होगी।
- ❖ रमज़ान में उमरा करना:

नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फ़रमाया: “रमज़ान में उमरा करना हज़्ज के समान है”।

- दिन को दुआ करने, क़ुरआन का पाठ करने तथा अनेक प्रकार की इबादतों एवं पूजा करने में बिताए।
- रमज़ान ईमान को मज़बूत (ढ़ढ़) करने, जन्नत अर्थात स्वर्ग जीतने और जहन्नम अर्थात नर्क से बचने का सुअवसर है।

नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फ़रमाया: “उस व्यक्ति की नाक में मिट्टी लगे जिस पर रमज़ान दाख़िल हुआ फिर उस को माफी व क्षमा मिलने के पूर्व ही उस से विदा हो गया”।